दैनिक भास्कर जींद भास्कर 03-06-2026

साल के लिए स्थायी वीसी होंगे रामपाल सैनी

जींद | हरियाणा सरकार की सिफारिश पर राज्यपाल और कुलाधिपति असीम कुमार घोष ने चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के नए कुलपति की नियुक्ति कर दी है। जारी अधिसूचना के अनुसार डीएवी कॉलेज करनाल के प्राचार्य और अभी सीआरएसयू के कार्यकारी वीसी रामपाल सैनी को अब स्थायी कुलपति बनाया गया है। नियुक्ति तीन साल के लिए की गई है। राजभवन की नोटिफिकेशन के मुताबिक प्रो. रामपाल सैनी का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। 68 वर्ष की आयु पूरी होने तक भी पद पर रहेंगे। अधिसूचना में कहा गया है कि कुलपति पद से जुड़ी सेवा शर्तें और अन्य नियम राज्य सरकार की सलाह पर बाद में तय किए जाएंगे।

रामपाल सैनी

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
03062026 Rohtak Jind - 03 Jun 2026 - Page 1

प्रो. रामपाल सैनी 3 साल के लिए सीआरएसयू के कुलपति नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

प्रोफेसर रामपाल सैनी को चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय का तीन साल के लिए वीसी नियुक्त कर दिया है। इससे पहले उन्हें पिछले साल 28 मई को कार्यवाहक वीसी लगाया गया था। यहां कार्यवाहक वीसी लगने से पहले वे डीएवी पीजी कॉलेज करनाल के प्राचार्य रहे हैं। मंगलवार को राज्यपाल की तरफ से प्रो. रामपाल सैनी की नियुक्ति का पत्र जारी किया है। प्रो रामपाल सैनी ने तीन वर्ष में अपनी प्राथमिकताओं के बारे में कहा कि विवि में जल्द स्थायी नियुक्तियां की जाएंगी। शिक्षा व्यवस्था को और पारदर्शी बनाया जाएगा। विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। शोध पर जोर दिया जाएगा ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम हो। विश्वविद्यालय को रिसर्च का केंद्र बनाया जाएगा। नई शिक्षा नीति को और कारगर तरीके से लागू किया जाएगा। वहीं पिछले एक साल के कार्यकाल के बारे में कहा कि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध के लिए केंद्र खोला गया। इसके लिए जापान व पुर्तगाल के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू किया है। नई शिक्षा नीति को बेहतर तरीके से लागू करने पर विश्वविद्यालय को पुरस्कार मिला है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार किया।

सटीक नजर-सबकी खबर

INDIA TIMER

इंडिया टाइमर

इंडिया टाइमर में विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
मोबाइल : 9050007221 9467504707

www.indiatimer.com indiatimer1@gmail.com indiatimer1 वर्ष : 12 || अंक : 12 || जींद, 3 जून 2026 || पृष्ठ : 4 || मूल्य : 3 रुपए INDIATIMER @indiatimer1

सूबे की सरकार ने प्रो. रामपाल सैनी को सौंपी सीआरएसयू की सरदारी

एक साल के दरमियां कसौटी पर खरा उतरने का सरकार ने दिया इनाम

जींद विश्वविद्यालय को सशक्त बनाने का किया जायेगा कार्य : वीसी

संजय शर्मा

जींद, (इंडिया टाइमर): हरियाणा सूबे की नायब सरकार ने जींद के चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय की तीन वर्षों की सरदारी प्रो. रामपाल सैनी को सौंपने का काम किया है। प्रो. रामपाल सैनी में वाइस चांसलर के तौर पर सरकार की कसौटी पर खरा उतरते हुए पारी संभाली, उसका सरकार ने एक तरह से सम्मान के तौर पर ईनाम दिया है। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने 2 जून को जारी नोटिफिकेशन में जींद के चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर के तौर पर 3 वर्षों के लिए प्रो. रामपाल सैनी की नियुक्ति की है। वाइस चांसलर प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने उन पर जो भरोसा जताया है उस पर खरा उतरते हुए जींद के चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में इस कदर सशक्त बनाने का प्रयास किया जायेगा, जिसके नतीजन यहां के छात्र देश में शीर्ष स्थान पर छा जाये। दरअसल, मंगलवार को ज्यों ही प्रो. रामपाल सैनी का नाम चंडीगढ़ से बाहर आया त्यों ही शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों में उत्साह का माहौल बन गया। प्रो. रामपाल सैनी ने पिछले 1 वर्ष से ज्यादा समय से जींद विश्वविद्यालय में वाइस चांसलर की पारी संभालने के दौरान अपने सौम्य और मिलनसार स्वभाव की जो छाप छोड़ी उसके नतीजन ही हरियाणा सरकार ने उनको यह सम्मान दिया है।

निर्णय क्षमता और मिलनसार स्वभाव की छाप से वाइस चांसलर की राह हुई तय

सरकार की कसौटी पर खरा उतरने पर मिली अहम जिम्मेदारी

प्रो. रामपाल सैनी ने जींद विश्वविद्यालय में पिछले 1 वर्ष के दौरान अपनी प्रशासनिक क्षमता का परिचय दिया, वह कहीं ना कहीं उनके लिए रामबाण का काम कर गया। विश्वविद्यालय में दर्जनों कर्मचारियों के कई माह से लटके हुए वेतन को दिलाकर प्रो. रामपाल सैनी ने अपनी कार्य क्षमता और सकारात्मक सोच का जो परिचय दिया था वह उनके लिए बड़ी ढाल बनने का काम कर गया। क्योंकि जींद विश्वविद्यालय का वाइस चांसलर बनने के लिए करीब 1 दर्जन चेहरे चंडीगढ़ और दिल्ली के चक्कर काट रहे थे। मगर प्रो. रामपाल सैनी की 1 साल की कार्यशैली सरकार की कसौटी पर उतरी और उनको स्थाई तौर पर 3 वर्षों के लिए यह जिम्मेदारी सौंप दी गई।

यूं तो पिछले 1 वर्ष के दौरान इधर-उधर से छात्र संगठनों की और से आरोप-प्रत्यारोपों के तीर निकलकर बाहर आये मगर वाइस चांसलर प्रो. रामपाल सैनी ने बड़े ही अनुशासनात्मक तरीके से उनको निपटाते हुए अपनी निर्णय क्षमता का परिचय देकर विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने का काम किया। जींद विश्वविद्यालय में स्थाई तौर पर वाइस चांसलर की नियुक्ति होने से अब यहां स्थाई भर्तियों के लिए द्वार खुलने की उम्मीद बन गई है। क्योंकि पिछले कई वर्षों से विश्वविद्यालय में स्थाई भर्तियों पर ग्रहण लगा हुआ है। विश्वविद्यालय अस्थाई शिक्षकों और अस्थाई गैर शैक्षणिक कर्मियों के दम पर ही चल रहा है। विश्वविद्यालय में स्थाई भर्तियां न होने के कारण हरियाणा की भाजपा सरकार भी विपक्षी दलों के निशाने पर रही है। विपक्षी दल भाजपा सरकार पर जींद विश्वविद्यालय की अनदेखी करने के आरोप लगाते रहे है। यहां तक विश्वविद्यालय को चंडीगढ़ से बजट भी कम मिल रहा है। मगर प्रो. रामपाल सैनी की जींद में स्थाई तौर पर नियुक्ति होने से जो अवरोध बने हुए थे उनके दूर होने की संभावनाएं बढ़ गई है।

स्थाई भर्तियों के द्वार खुलने और विश्वविद्यालय के विस्तार की उम्मीदे भरने लगी उड़ान

जींद विश्वविद्यालय के लिए स्थाई भर्तियों के अलावा इसके विस्तार की बाते भी उठती रही है। विश्वविद्यालय को भविष्य के लिहाज से विकसित करने के लिए करीब 100 एकड़ जमीन की और दरकार है। इस जमीन के लिए पिछले कई वर्षों से बात उठती है और चंडीगढ़ पहुंचकर साइलेंट मोड में पहुंच जाती है। ऐसे में विश्वविद्यालय के विस्तार के लिए प्रो. रामपाल सैनी की इस ताजपोशी के बाद बड़ी उम्मीदें बन गई है। यहीं नहीं विश्वविद्यालय में अनेको नये रोजगारपरक कोर्स शुरू होंगे, इसकी उम्मीदें उड़ान भरने लगी है।

Date-03.06.2026

PunjabKesari.com @punjabkesaricom

सूबे की सरकार ने प्रो. रामपाल सैनी को सौंपी सीआरएसयू की सरदारी

जींद विश्वविद्यालय को सशक्त बनाने का किया जायेगा कार्य : वीसी

जींद, संजय शर्मा(पंजाब केसरी): हरियाणा सूबे की नायब सरकार ने जींद के चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय की तीन वर्षों की सरदारी प्रो. रामपाल सैनी को सौंपने का काम किया है। प्रो. रामपाल सैनी ने पिछले 1 वर्ष से ज्यादा समय से जिस गंभीरता और संजीदगी के साथ चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में वाइस चांसल के तौर पर सरकार की कसौटी पर खरा उतरते हुए पारी संभाली, उसका सरकार ने एक तरह से सम्मान के तौर पर ईनाम दिया है। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने 2 जून को जारी नोटिफीकेशन में जींद के चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर के तौर पर 3 वर्षों के लिए प्रो. रामपाल सैनी की नियुक्ति की है। वाइस चांसलर प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने उन पर जो भरोसा जताया है उस पर खरा उतरते हुए जींद के चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में इस कदर सशक्त बनाने का प्रयास किया जायेगा, जिसके नतीजन यहां के छात्र देश में शीर्ष स्थान पर छां जाये। दरअसल, मंगलवार को ज्यों ही प्रो. रामपाल सैनी का नाम

एक साल के दरमियां कसौटी पर खरा उतरने का सरकार ने दिया इनाम

चंडीगढ़ से बाहर आया त्यों ही शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों में उत्साह का माहौल बन गया। प्रो. रामपाल सैनी ने पिछले 1 वर्ष से ज्यादा समय से जींद विश्वविद्यालय में वाइस चांसलर की पारी संभालने के दौरान अपने सौम्य और मिलनसार स्वभाव की जो छाप छोड़ी उसके नतीजन ही हरियाणा सरकार ने उनको यह सम्मान दिया है। यूं तो पिछले 1 वर्ष के दौरान इधर-उधर से छात्र संगठनों की ओर से आरोप-प्रत्यारोपों के तीर निकलकर बाहर आये मगर वाइस चांसलर प्रो. रामपाल सैनी ने बड़े ही अनुशासनात्मक तरीके से उनको निपटाते हुए अपनी निर्णय क्षमता का परिचय देकर विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने का काम किया। जींद विश्वविद्यालय में स्थाई तौर पर वाइस चांसलर की नियुक्ति होने से अब यहां स्थाई भर्तियों के लिए द्वार खुलने की उम्मीद बन गई है।

अमर उजाला
हर सवेरे नया जोश नया उजाला

Date-03.06.2026

डॉ. सैनी बने सीआरएसयू के स्थायी कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सीआरएसयू) का अब स्थायी कुलपति का इंतजार समाप्त हो गया।

सीआरएसयू के प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी।

हरियाणा के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष ने मंगलवार को जारी अधिसूचना के माध्यम से प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी को सीआरएसयू का स्थायी कुलपति नियुक्त किया है।

डॉ. रामपाल सैनी के पास था सीआरएसयू का एडिशनल चार्ज

पिछले पांच माह से रिक्त पद पर एडिशनल दे रहे थे सेवाएं

अब तक उनके पास सीआरएसयू का एडिशनल चार्ज था। वे पिछले पांच माह से रिक्त पद पर एडिशनल सेवाएं दे रहे थे। राजभवन हरियाणा की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि नियुक्ति की सेवा शर्तें व अन्य नियम राज्य सरकार की सलाह के अनुसार बाद में निर्धारित किए जाएंगे।

डॉ. रामपाल सैनी लंबे समय से उच्च शिक्षा क्षेत्र से जुड़े हुए हैं और डीएवी (पीजी) कॉलेज, करनाल के प्राचार्य के रूप में सेवाएं दे रहे थे।

डॉ. रामपाल सैनी की नियुक्ति से विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, प्रशासनिक और शोध कार्यों को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। विश्वविद्यालय एवं शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस नियुक्ति का स्वागत किया है। सीआरएसय में खुशी का माहौल है।

Date-03.06.2026

सीआरएसयू को एक साल बाद मिला पूर्णकालिक वीसी

प्रो. राम पाल सैनी नियुक्त

जींद, 2 जून (हप्र)

जींद स्थित चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सीआरएसयू) को लगभग एक वर्ष के अंतराल के बाद पूर्णकालिक कुलपति मिल गया है। प्रो. राम पाल सैनी को विश्वविद्यालय का नियमित कुलपति नियुक्त किया गया है। वे पिछले कुछ महीनों से कार्यवाहक कुलपति के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे थे।

राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति असीम घोष ने प्रो. सैनी को तीन वर्ष की अवधि अथवा 68 वर्ष की आयु पूरी होने तक कुलपति नियुक्त किया है। इससे पहले पिछले वर्ष पूर्व कुलपति रणपाल सिंह के इस्तीफे के बाद यह पद खाली था और कुछ समय तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था।

प्रो. राम पाल सैनी

बाद में करनाल के डीएवी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राम पाल सैनी को कार्यवाहक कुलपति बनाया गया था।

पूर्णकालिक नियुक्ति के बाद प्रो. सैनी ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य विश्वविद्यालय में शोध, नवाचार और नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन को बढ़ावा देना रहेगा। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में वे विश्वविद्यालय की आवश्यकताओं, ढांचागत विकास और विद्यार्थियों की जरूरतों को अच्छी तरह समझ चुके हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि अब पूर्णकालिक कुलपति की नियुक्ति से विकास कार्यों, शैक्षणिक विस्तार और छात्र हित से जुड़े बड़े फैसलों को तेजी से लागू किया जा सकेगा।

Date-03.06.2026

डीएवी कॉलेज करनाल के प्राचार्य बने सीआरएसयू के कुलपति

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस

करनाल। हरियाणा सरकार की सिफारिश पर चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद को नया कुलपति मिल गया है। राज्यपाल एवं कुलाधिपति प्रो. आशिम कुमार घोष ने आज अधिसूचना जारी कर डीएवी (पीजी) कॉलेज करनाल के प्राचार्य रामपाल सैनी को विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया है। यह नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष या 68 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक, जो भी पहले हो, के लिए प्रभावी रहेगी।

राजभवन से जारी अधिसूचना के अनुसार यह नियुक्ति चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय

अधिनियम 2014 की धारा 11 की उपधारा (2) व (3) के तहत की गई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि नियुक्ति की शर्तें व नियम राज्य सरकार की सलाह पर बाद में तय किए जाएंगे।

इसी के साथ समर्थन के तहत अधिसूचना की प्रतियां विभिन्न अधिकारियों को भेजी गई हैं। इनमें मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव, शिक्षा मंत्री के निजी सचिव, उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, महानिदेशक उच्च शिक्षा पंचकूला, विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति, कुलसचिव और स्वयं रामपाल सैनी शामिल हैं। इसके अलावा एक प्रति हरियाणा सरकार के राजपत्र में प्रकाशन के लिए नियंत्रक, मुद्रण एवं स्टेशनरी, पंचकूला को भी भेजी गई है।

जानकारी के अनुसार इससे पहले 28 मई 2025 को हरियाणा के राज्यपाल और कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय द्वारा भी उनकी नियुक्ति के आदेश जारी किए गए थे। अब नए आदेश के साथ उनकी नियुक्ति को औपचारिक रूप दिया गया है।

रामपाल सैनी इससे पहले करनाल के डीएवी (पीजी) कॉलेज में प्राचार्य के पद पर कार्यरत थे। लंबे समय से शिक्षा क्षेत्र में सक्रिय रहने के कारण उन्हें प्रशासनिक अनुभव भी काफी है। उनकी नई जिम्मेदारी को लेकर शिक्षा जगत में चर्चा बनी हुई है।

रामपाल सैनी मूल रूप से कुरुक्षेत्र जिले के थानेसर क्षेत्र के गांव प्रतापगढ़ के निवासी हैं। ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में एमए और एमफिल की पढ़ाई की है। इसके बाद महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर से पीएचडी की डिग्री हासिल की। उनके पास राजनीति विज्ञान में डीलिट की उपाधि भी है, जो उनकी अकादमिक मजबूती को दर्शाती है।

रामपाल सैनी के पास 30 वर्षों से अधिक का शिक्षण और प्रशासनिक अनुभव है।

कॉलेज स्तर से लेकर उच्च शिक्षा संस्थानों तक उन्होंने विभिन्न जिम्मेदारियां निभाई हैं। यही अनुभव अब विश्वविद्यालय के संचालन में काम आएगा। उनकी नियुक्ति के बाद विश्वविद्यालय में शैक्षणिक और प्रशासनिक सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। माना जा रहा है कि उनके अनुभव से संस्थान को नई दिशा मिल सकती है।

WEDNESDAY
JUNE 3, 2026
CHANDIGARH
VOL. 31, NO. 126
12 PAGES, ₹2.00

REGD NO. CHD/0061/2006-08 | RNI NO. 61323/95

YUGMARG

@yugmarg.news
@yugmarg
@yugmargtv
@yugmarg
@yugmarg
@yugmarg

✦CHANDIGARH ✦PUNJAB ✦HARYANA ✦HIMACHAL PRADESH ✦DELHI ✦JAMMU & KASHMIR ✦UTTARAKHAND

A Torchbearer of academic vision, experience and cultural heritage takes charge of Jind University

SHIV KUMAR SHARMA
KARNAL, JUNE 2

In a significant development for Haryana's academic and administrative landscape, Prof. (Dr.) Ram Pal Saini, Principal of DAV PG College, Karnal, has been appointed as the regular Vice-Chancellor of Chaudhary Ranbir Singh University, Jind. The appointment was formally announced on Tuesday under the orders of the Governor-cum-Chancellor of the university.

Notably, Prof. Saini had been serving the institution as Acting Vice-Chancellor prior to this appointment. In recognition of his administrative acumen, academic commitment, and leadership capabilities, he has now been entrusted with the university's full-time stewardship.

A Distinguished Academic and Administrative Journey Spanning Three Decades

Prof. Ram Pal Saini possesses nearly three decades of

experience in higher education and academic administration. He began his teaching career in 1996 at the Department of Law, Kurukshetra University. Subsequently, he rendered two decades of distinguished service at Sanatan Dharma (SD) College, Panipat.

Thereafter, he assumed the position of Principal at DAV PG College, Karnal, where he provided dynamic and visionary leadership for almost ten years. During his association with Kurukshetra University, he served as Chairman of the Cultural Council and was an active member of the University Court (Senate), Academic Council, Sports Council, and several Boards of Studies.

In addition, he has contributed as a subject expert on important academic and administrative committees of more than five leading universities across the country.

A Forward-Looking Vision: Doctoral Research and Political Insight

Prof. Saini is not only an accomplished administrator but also a distinguished scholar of Political Science. His doctoral research, conducted during 2008–09, focused on "The Positive and Negative Dimensions of Secularism with Special Reference to the Bharatiya Janata Party."

Contemporary observers believe that through this research, Prof. Saini demonstrated an exceptional ability to discern emerging political trends and future trajectories in Indian politics. Nearly two decades later, many analysts find that national political developments have unfolded in a manner remarkably consistent with the themes and observations reflected in his scholarly work, underscoring his farsighted academic vision.

Global Academic Engagement and Successful Implementation of NEP 2020

With a commitment to strengthening international academic collaboration, Prof. Saini has visited countries such as Portugal and Japan, where he played a significant role in fostering advanced research initiatives and academic partnerships with global institutions.

His contribution to the effective implementation of India's National Education Policy (NEP) 2020 has earned him special recognition from the Haryana State Higher Education Council. He currently serves as a nominated member of the Haryana Higher Education Council for the tenure extending from February 2026 to February 2029.

पंजाब केसरी
WED,03 JUNE 2026
EDITION: KARNAL KESARI, PAGE NO. 4

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के नियमित कुलपति बने डॉ. रामपाल सैनी

करनाल, 2 जून (वर्मा): हरियाणा के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक हलकों में एक महत्वपूर्ण निर्णय के तहत डी.ए.वी. पी.जी. कालेज प्राचार्य प्रो. (डा.) रामपाल सैनी को जींद स्थित चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय का नियमित कुलपति (वाइस चांसलर) नियुक्त किया गया है। राज्यपाल एवं कुलाधिपति के आदेशानुसार मंगलवार को उनकी इस पद पर विधिवत नियुक्ति की घोषणा की गई।

उल्लेखनीय है कि प्रो. सैनी इससे पूर्व इस विश्वविद्यालय में कार्यवाहक कुलपति के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। प्रो. राम पाल सैनी का शैक्षणिक सफर लगभग 30 वर्षों का है। वर्ष-1996 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के विधि विभाग (डिपार्टमैंट आफ ला) से अध्यापन की शुरूआत करने वाले प्रो. सैनी ने सनातन धर्म (एस.डी.) कालेज पानीपत में 2 दशकों तक अपनी उत्कृष्ट सेवाएं दीं।

इसके बाद उन्होंने डी.ए.वी. पी.जी. कालेज करनाल में बतौर प्राचार्य लगभग 10 वर्षों तक संस्थान का कुशल नेतृत्व किया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष रहने के साथ-साथ वे विश्वविद्यालय की सीनेट (कोर्ट), अकादमिक परिषद, खेल परिषद और विभिन्न अध्ययन मंडलों के सक्रिय सदस्य रहे हैं।